छाया

1996 में, छाया - "शैल्टर" अथवा "शेड" - की स्थापना स्वयंसेवक-नेतृत्व वाले संगठन के रूप में हुई थी, जिसका उद्देश्य किंग काउंटी के तेज़ी से बढ़ने वाले दक्षिण एशियाई समुदाय में घरेलू हिंसा के अत्याचार से बच निकलने वाली महिलाओं के लिए उपलब्ध सेवाओं में अत्यधिक अंतर को भरना है। अफगानिस्तान, बांग्लादेश, भूटान, भारत, म्यांमार, नेपाल, पाकिस्तान, श्री लंका एवं तिब्बत के लोगों तथा कम संख्या वाले मध्य-पूर्वी देशों के लोगों(जिनके कुछ हद तक समान सांस्कृतिक मुद्दे हैं तथा जिनके लिए कोई विशेष सेवाएं उपलब्ध नहीं हैं) को सहायता देते हुए, छाया राज्य में एकमात्र ऐसी एजेंसी है जिसका ध्यान इस बहु-भाषायी एवं बहु-सांस्कृतिक आबादी को सांस्कृतिक रूप से विशिष्ट सेवाएं प्रदान करने पर केंद्रित है।

हमारा मिशन एवं सपना

छाया, घरेलू हिंसा और दुर्व्यवहार द्वारा प्रभावित दक्षिण एशियाई व्यक्तियों एवं परिवारों की सहायता करती है तथा समुदायों को सामाजिक दशाओं, जिनसे अत्याचार विशेषत: महिलाओं के विरुद्ध हिंसा संभव होती है, में परिवर्तन की प्रक्रिया में शामिल करती है। छाया, हिंसा से मुक्त निष्पक्ष एवं न्यायसंगत दुनिया का सपना पूरा करने के लिए अधिक व्यापक आयामों के भीतर कार्य करती है।

हमारे प्रोग्राम

छाया अपना कार्य दो प्रमुख प्रोग्रामों के ज़रिए पूरा करती है: दुर्व्यवहार के शिकार से जीवित बच निकले लोगों के लिए समर्थन जुटाना; और समुदाय को सक्रिय करना।

छाया का समर्थन कार्य, दक्षिण एशियाई महिलाओं की समर्थन के लिए महत्त्वपूर्ण आवश्यकता को पूरा करना है, जब वे स्वयं एवं अपने बच्चों के लिए अपमानजनक और हानिकारक रिश्ते में होती हैं। यह संस्था निम्न सेवाएं प्रदान करती हैं: घरेलू हिंसा के शिकार जीवित बचे व्यक्तियों को पूर्ण, व्यक्तिगत समर्थन देना; हमारी सेवाएं प्राप्त करने वाली महिलाओं के लिए सांस्कृतिक रूप से विशेष एवं भाषा अनुकूल सेवाएं देना; क्षेत्रीय मानव सेवा प्रदाताओं तथा उनके स्वयंसेवकों के लिए ट्रेनिंग, ताकि वे अपनी सांस्कृतिक संवेदनशीलता सुधार सकें तथा उन्हें दक्षिण एशियाई लोगों के साथ बेहतर कार्य करने के लिए अवसरों की अनुमति देना; तथा घरेलू हिंसा कार्य में व्यापक ट्रेनिंग एवं अनुभव प्राप्त वकीलों द्वारा सप्ताह के दौरान टोल-फ्री हैल्पलाइन का संचालन।

हमारा समुदाय सक्रियता (कम्युनिटी इंगेजमेंट) प्रोग्राम, ऐसे प्रयासों के साथ घरेलू हिंसा को रोकने तथा इसे अंतत: समाप्त करने की दिशा में कार्य करता जो घरेलू हिंसा के मुद्दों के बारे में व्यापक समुदाय समझ एवं जागरुकता को बढ़ावा देते हैं, जिसमें हमारे समुदाय के भीतर अधिकार-वंचित समूहों पर विशेष बल के साथ समुदाय के सभी क्षेत्रों तक सांस्कृतिक रूप से उचित संपर्क स्थापित किया जाता है; धार्मिक, सांस्कृतिक समुदायों एवं युवा वर्गों के सहयोग से, लक्षित एवं सांस्कृतिक रूप से संगत जागरुकता और शिक्षा कार्यक्रमों को लागू करना; दक्षिण एशियाई समुदाय के सदस्यों को समुदाय में घरेलू हिंसा समाप्त करने के प्रयासों में सक्रिय रूप से शामिल होने के लिए जुटाना; तथा समुदाय के नेतृत्व वाले उन प्रोजेक्ट्स के ज़रिए निम्न स्तर पर समुदाय स्थापित करना, जो समुदाय में घरेलू हिंसा के शिकार जीवित बचे लोगों के लाभ हेतु समुदाय समर्थन एवं संसाधन जुटाते हैं।

हमारे मार्गदर्शक आदर्श

छाया इन आदर्शों को, अपने मिशन को पूरा करने की दिशा में केंद्र-बिंदु के रूप में अपनाने की इच्छा रखती है। प्रत्येक आदर्श को व्यक्तिगत, समुदाय और संस्थागत स्तर सहित सभी स्तरों पर अपनाया एवं साकार किया जाता है। घरेलू हिंसा वाली स्थिति में, प्यार, परिवार की अपेक्षाए, सांस्कृतिक मानदंड और आप्रवासी स्थिति जैसे घटक अत्याचार को पहचानना और समझना कठिन बना देते हैं। जिस तरह अत्याचार को व्यक्त करने का तरीका भिन्न-भिन्न एवं परस्पर विरोधी हो सकता है, हम यह मानते हैं कि हमारे जवाब भी विविध एवं परस्पर विरोधी हो सकते हें। इसलिए, हम अपनी दुनिया की जटिलता को स्वीकार करते हैं और नीचा गिरने की लालसा को रोकते हैं एवं अपने अनुभवों को सरल बनाते हैं।

हम **सत्यनिष्ठा** को महत्व देते हैं

सत्यनिष्ठा, निर्णय करने की वह प्रक्रिया है जो तब हमारे आदर्शों को दर्शाती है जब हम हिंसा से मुक्त निष्पक्ष एवं न्यायसंगत दुनिया बनाने के छाया के सपने को पूरा करने की दिशा में संघर्ष करते हैं। छाया में, हमारा मानना है कि जब हम अपने कार्यों में खुले एवं पारदर्शी होते हैं, हम स्वयं को तथा समुदाय को सही दृष्टि से सोच तथा हमारे निर्णयों के प्रभाव को स्वीकार करने के लिए अधिकार संपन्न बनाते हैं, क्योंकि जहां उत्तरदायित्व को अपनाया जाता है वहां दुर्व्यवहार के लिए कोई स्थान नहीं होता है।

हम **निष्पक्षता** को महत्व देते हैं

निष्पक्षता वह सिद्धांत है जिसमें अधिकार, न्याय और संसाधनों तक समान रूप से पहुंच सुनिश्चित होती है। रिश्ते एवं समुदायों में असमानता और दुर्व्यवहार को उत्पीड़न की व्यापक प्रणाली का समर्थन प्राप्त होता है जिसका प्रभाव हम सभी पर पड़ता है। छाया, सामाजिक परिवर्तन के ज़रिए निष्पक्षता एवं न्याय के सिद्धांत की दिशा में कार्य करती है।

हम **गरिमा** को महत्व देते हैं

गरिमा, प्रत्येक व्यक्ति एवं समुदाय के अंतर्निहित आदर्श को मानना और उसका सम्मान करना होता है, जिनमें वे लोग भी शामिल हैं जिन पर अत्याचार किया गया है तथा जिन्होंने दुर्व्यवहार को सदा के लिए जीवित रखा है।

हम **एजेंसी** को महत्व देते हैं

एजेंसी, उपलब्ध विकल्पों की सीमा अथवा संदर्भ के भीतर स्वयं की ओर से निर्णय करने की क्षमता होती है। छाया एक ऐसी दुनिया बनाने के लिए प्रयासरत है, जिसमें महिलाएं, आप्रवासी और GLBTQ व्यक्ति जैसे ऐतिहासिक दुष्टि से उपेक्षित समूहों की एजेंसी को मान्यता एवं समर्थन दिया जाता है।

हम **समुदाय** को महत्व देते हैं

समुदाय की स्थापना तब होती है, जब परस्पर अनुभवों के ज़रिए और मतभेदों से ऊपर उठकर लोगों को एक साथ लाया जाता है। हम व्यक्तियों के रूप में विभिन्न समुदायों के सदस्य होते हैं। छाया ऐसे सहयोगात्मक प्रयासों का पूर्ण समर्थन करती है, जो दुर्व्यवहार का अनुभव करने वाले व्यक्तियों का सम्मान करके उन्हें शक्ति देते हैं तथा उत्तरदायित्व की अपेक्षा करती है। हमारा सपना है कि व्यक्तियों एवं लोगों के समूहों के बीच निष्पक्ष, न्यायसंगत और प्यार का रिश्ता कायम करने में समुदाय, सक्रिय भूमिका निभाए।

हम **स्थिरता** को महत्व देते हैं

स्थिरता से व्यक्तिगत और सामूहिक स्तर पर शक्ति, स्वस्थता, आनंद को बढ़ावा मिलता है। एक मज़बूत संगठन और आंदोलन, केवल संतुलन, सहनशक्ति और स्वयं देखभाल के ज़रिए ही प्राप्त किया जा सकता है।